# DSSSB PRT, TGT & PGT

निष्पक्षता सर्वोपरि निष्ठापूर्ण सर्वोच्च
दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड

ROJGAR With ANKIT

**Part(A+B)**

## SCHOLAR BATCH

# हिन्दी

**Demo- 02**

# वर्णमाला

**Part- 02**

LIVE 12-03-2024 09:00 AM

# SCHOLAR BATCH

# SCHOLAR BATCH

निष्पक्षता सर्वोपरि
निष्पक्षता सर्वश्रेष्ठ
DSSSB
दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
DSSSB TGT (हिंदी)
Part(A+B)
SCHOLAR BATCH
FEATURES
Live Classes
Mock Test
Doubt Group
Class Notes PDF
Experienced Teachers
₹999/-
20% off
Coupon Code: HINDI20
₹799/-
Registration Starts from 6th March
Classes Start from 11th March
JOIN US ON
DOWNLOAD THE RWA APP NOW
Google Play

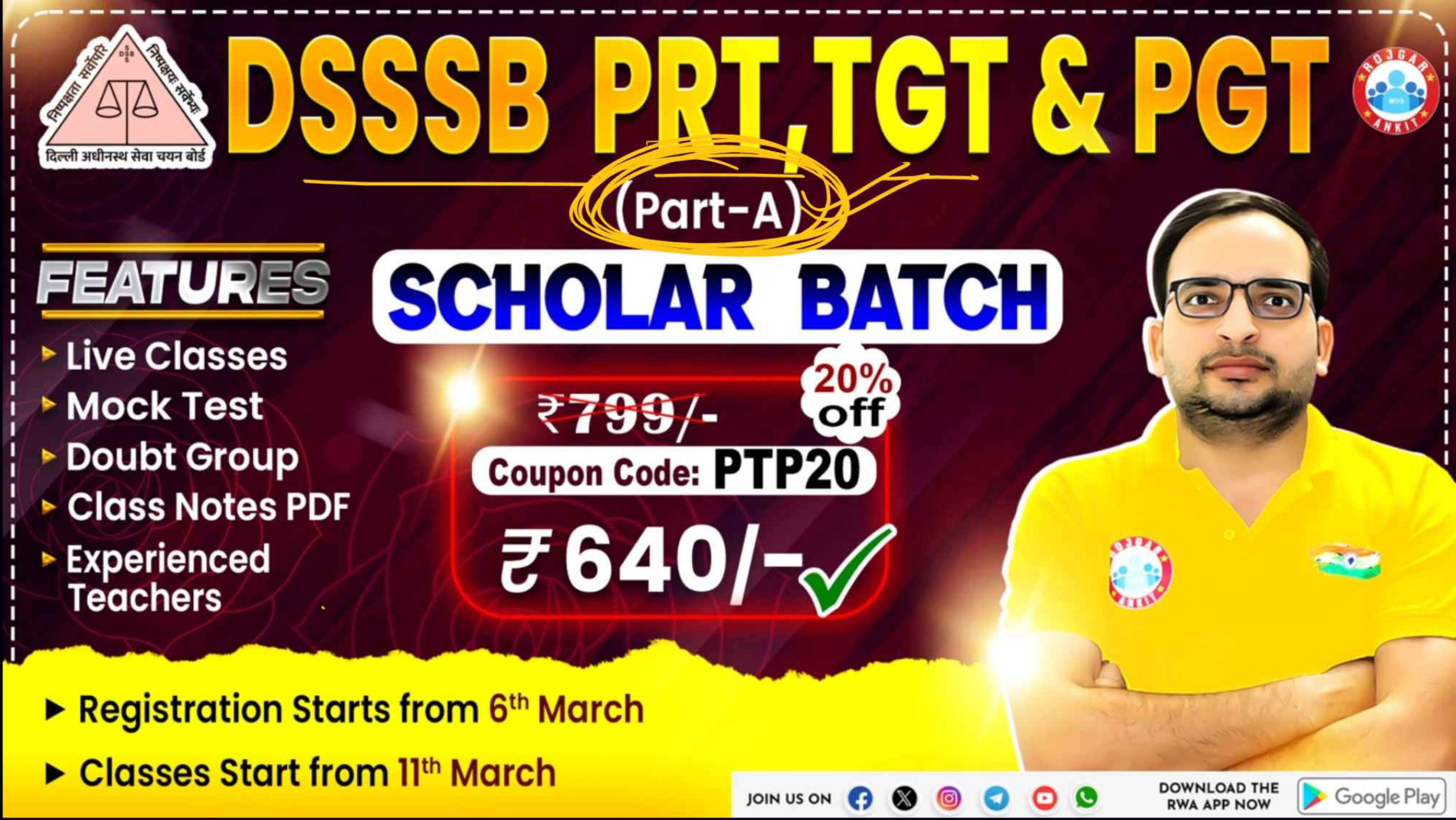
निष्पक्षता सर्वोपरि
निष्पक्षता सर्वोपरि
दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
DSSSB PRT, TGT & PGT
(Part-A)
SCHOLAR BATCH
FEATURES
Live Classes
Mock Test
Doubt Group
Class Notes PDF
Experienced Teachers
₹799/-
20% off
Coupon Code: PTP20
₹640/-
Registration Starts from 6th March
Classes Start from 11th March
JOIN US ON
DOWNLOAD THE RWA APP NOW
Google Play

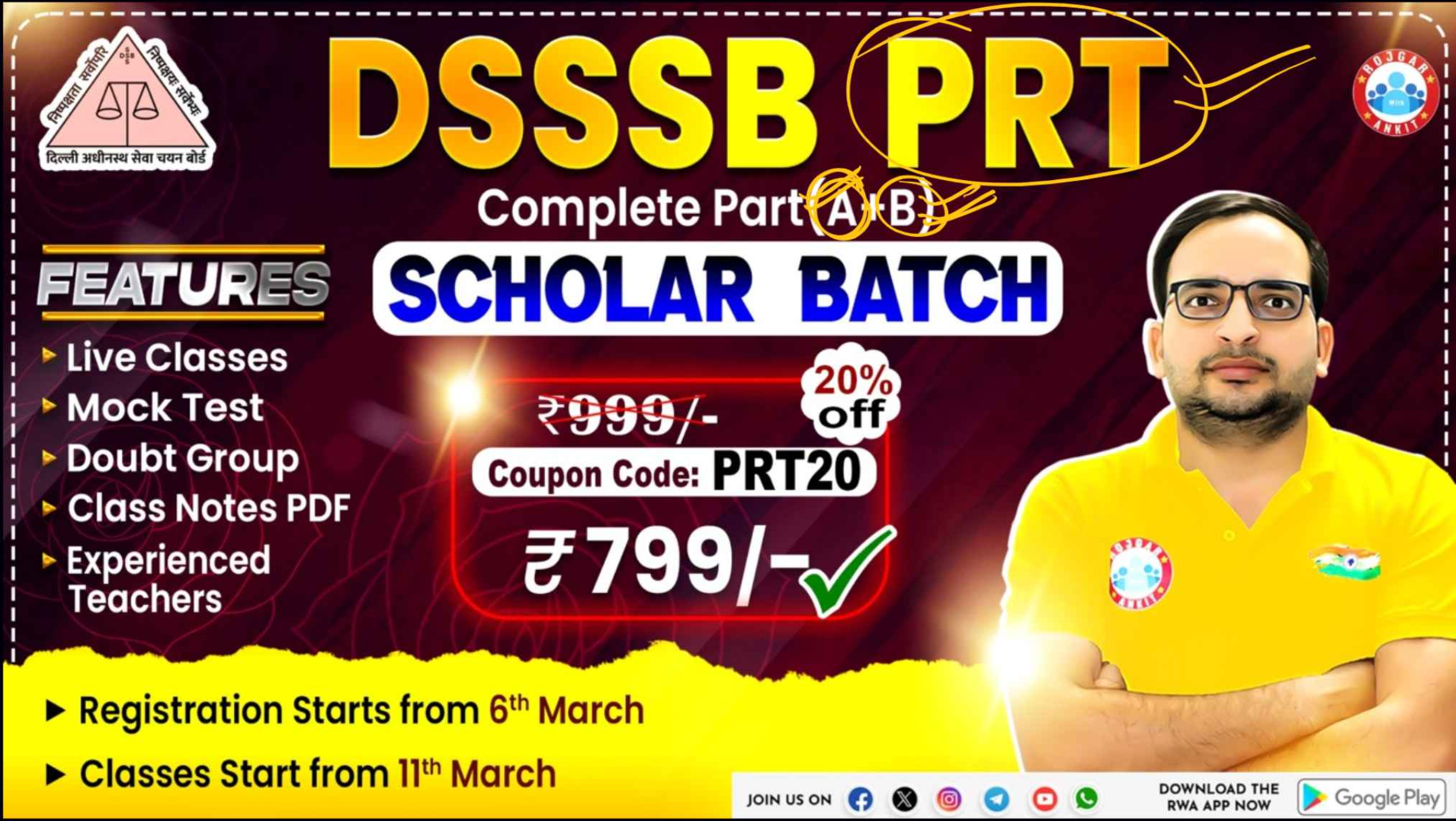
निष्पक्षता सर्वोपरि
निष्पक्षता सर्वोपरि
दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
DSSSB PRT
Complete Part (A+B)
SCHOLAR BATCH
FEATURES
Live Classes
Mock Test
Doubt Group
Class Notes PDF
Experienced Teachers
₹999/-
20% off
Coupon Code: PRT20
₹799/-
Registration Starts from 6th March
Classes Start from 11th March
JOIN US ON
DOWNLOAD THE RWA APP NOW
Google Play

* कुल स्वरों के प्रकार - 3

(i)- ह्रस्व स्वर ⇒ जिन वर्णों का उच्चारण करने पर कम समय लगता है उसे ह्रस्व स्वर कहते हैं।

→ चार (अ, इ, उ, ऋ) (एकमात्रिक)

(ii)- दीर्घ स्वर ⇒ जिन वर्णों का उच्चारण करते समय ह्रस्व की अपेक्षा अधिक समय लगता है। (7) (द्विमात्रिक)

आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ

(iii)- प्लुत स्वर - जिन वर्णों के उच्चारण में ह्रस्व और दीर्घ की अपेक्षा अधिक समय लगता है।

↳ मंत्रों का उच्चारण, ओम की ध्वनि

ओऽम्

* जीह्वा के आधार पर स्वर - 3

(i)- अग्र स्वर - इ, ई, ए, ऐ

(ii)- मध्य स्वर - अ

(iii)- पश्च स्वर - आ, उ, ऊ, ओ, औ, (ऑ)

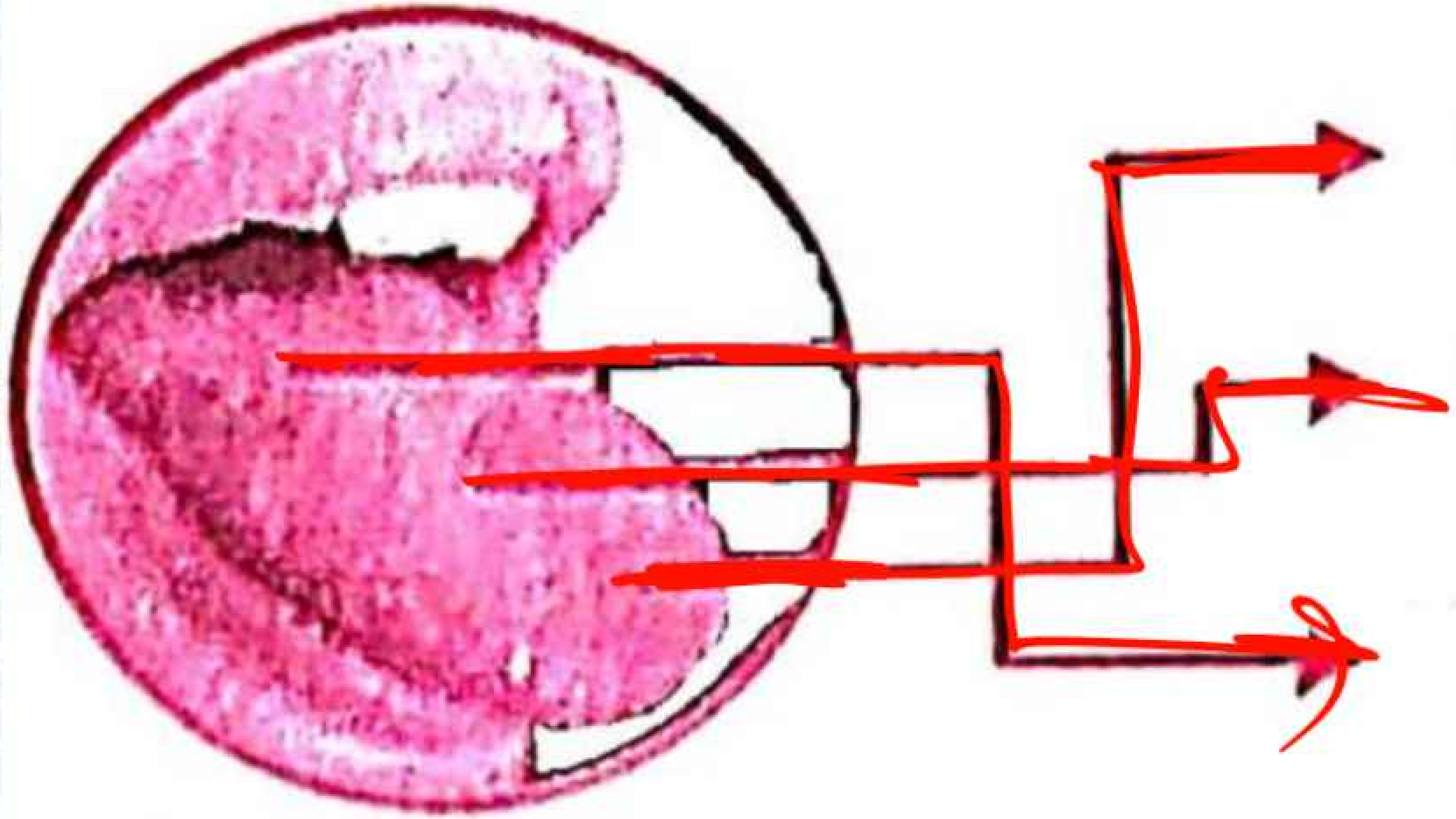

अग्र स्वर - इ, ई, ए, ऐ

मध्य स्वर - 'अ' (केन्द्रीय स्वर)

पश्च स्वर - आ, उ, ऊ, ओ, औ

* उत्पत्ति के आधार पर – 2

(i)- मूल स्वर ⇒ जिन स्वरों का निर्माण एक खण्ड के द्वारा होता है।

इनकी संख्या चार होती है। (अ, इ, उ, ऋ)

(ii)- सन्धि स्वर ⇒ जिन स्वरों का निर्माण दो खण्ड द्वारा होता है।

↳ ये दो प्रकार के होते हैं -

(i)- सजातीय - समान जाति के योग से बने वर्ण (इसे मूलदीर्घ स्वर भी कहते हैं)

↳ आ - अ + अ  ई - इ + इ  ऊ - उ + उ

(iii)- विजातीय स्वर - जिन स्वरों का निर्माण विभिन्न जाति के योग (विभिन्न + जाति) से हो। इनकी संख्या चार होती है।

ए - अ + इ (कण्ठ + तालु)
ऐ - अ + ए
⇒ कण्ठ तालव्य

ओ - अ + उ
औ - अ + ओ
⇒ कण्ठ ओष्ठीय

इन्हें ही संयुक्त स्वर के नाम से जाना जाता है।

SCHOLAR BATCH

उच्चारण के आधार पर
स्वर ⇒ 10

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ
ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

‘ऋ’ वर्ण → र् + इ = ऋ’

‘ऋ’ का मात्रात्मक चिह्न (ृ) कृपा, पृष्ठ, मृत इत्यादि व्यंजनों के संयोग में होता है।

यह वर्णमाला में ‘ऊ’ तथा ‘ए’ के मध्य का स्वर है।

हिन्दी शब्दकोश में इसका क्रम ‘ऊ’ के पश्चात् आता है।

इसका प्रयोग प्रायः तत्सम शब्दों में होता है।

हिन्दी में क़, ख़, ग़, ज़ तथा फ़ नुक्तायुक्त ध्वनियाँ राजा शिवप्रसाद ‘सितारे हिन्द’ की देन हैं।

* उच्चारण या ओष्ठ के आधार पर स्वर - 2

(i)- आवृत्तमुखी स्वर - होंठ गोलाकार अथवा वृत्तमुखी नहीं होते। [अ, आ, इ, ई, ए, ऐ]

(ii)- वृत्तमुखी स्वर - होंठ गोलाकार अथवा वृत्तमुखी होते है। [उ, ऊ, ओ, औ]

* मुख खुलने के आधार पर या मुख विवर के आधार पर - 4

(i)- संवृत्त स्वर - (मुख बन्द रहता है) (अई)

→ इ, ई, उ, ऊ

(ii)- अर्द्धसंवृत्त स्वर - (मुख थोड़ा खुलता है) (ओए)

→ ए, ओ

(iii)- विवृत्त स्वर ⇒ सबसे अधिक मुख खुलता है।
↳ आ

(iv)- अर्द्ध विवृत्त स्वर - विवृत्त की तुलना में थोड़ा कम मुख खुलता है।
↳ अ, ऐ, औ (ऑ)

**SCHOLAR BATCH**

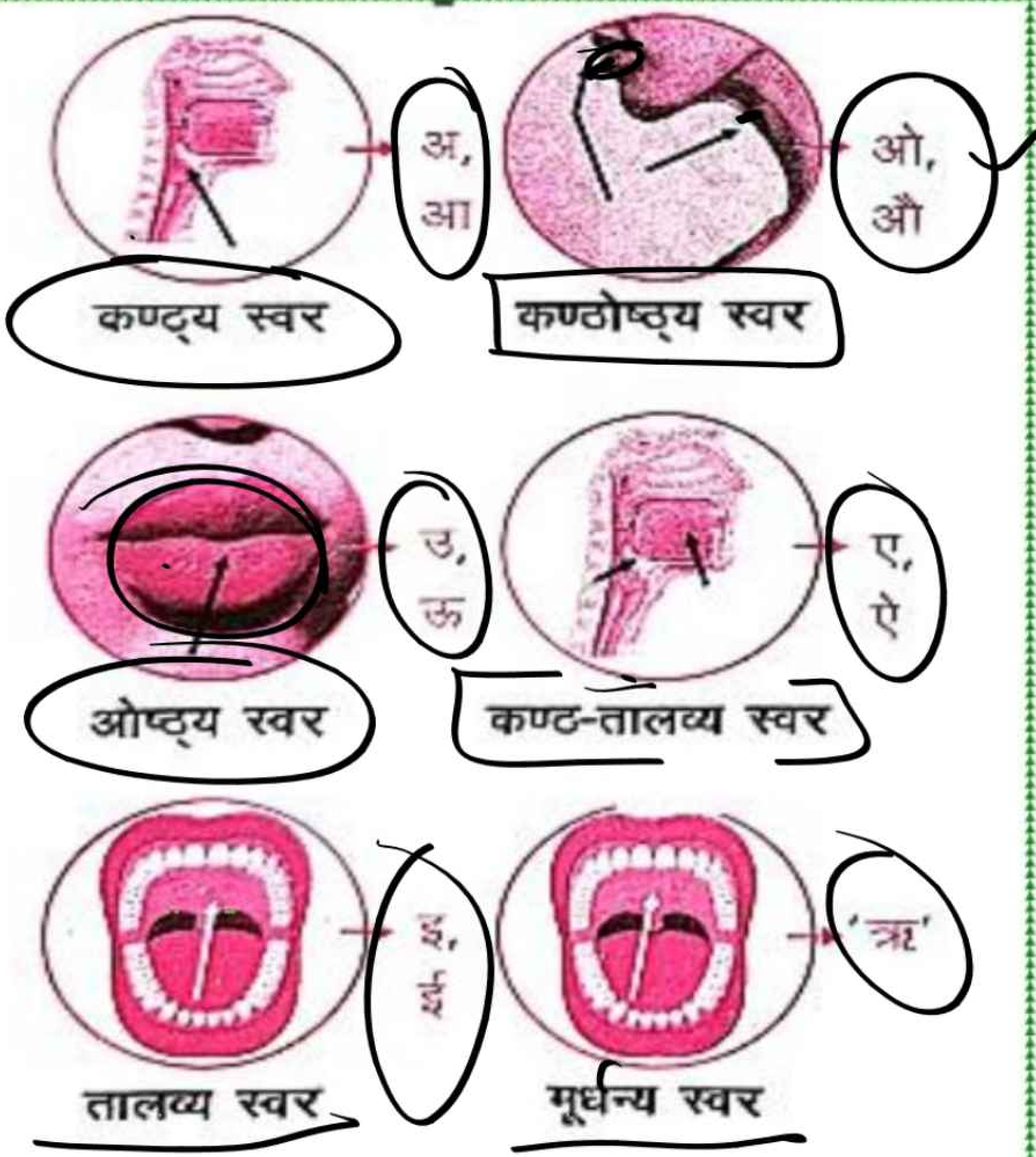

SCHOLAR BATCH | वर्णमाला | हिन्दी

- अर्द्ध स्वर – य, व (डॉ. भोलानाथ तिवारी)
- प्राकृतिक स्वर – अ, इ, उ
- कण्ठ्य स्वर – अ, आ
- तालुव्य स्वर – इ, ई
- मूर्धन्य स्वर – ऋ
- ओष्ठ्य स्वर – उ, ऊ
- कण्ठ ओष्ठीय स्वर – ओ, औ (ऑ)
- कण्ठ तालुव्य स्वर – ए, ऐ

उदासीन स्वर – अ

अपभ्रंश में कितने स्वर मौजूद है – 8

(अ,आ,इ,ई,उ,ऊ,ए,ओ)